International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 7.150, Volume 06, No. 04(I), October - December, 2024, pp. 103-113

राजस्थान में पर्यटन उद्योग की वर्तमान स्थिति

श्री सत्यनारायण खींची*
प्रो. राजीव कुमार सक्सेना**

सार

राजस्थान, भारत का क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य हैं। राजस्थान राज्य की जनगणना सन् 2011 के अनुसार कुल जनसंख्या 6,85,48,437 थी। राजस्थान का कुल क्षेत्रफल 3,42,239 वर्ग किलोमीटर है। यह भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 10.04 प्रतिशत हिस्सा है। राजस्थान राज्य का गठन 30 मार्च 1949 को हुआ था। एक अनुमान के अनुसार जुलाई 2024 में राजस्थान की कुल जनसंख्या 8.22 करोड़ हो गई है। राजस्थान भारत के सबसे बड़े खनिज उत्पादक राज्यों में से एक है। राजस्थान राज्य भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। राजस्थान की राजधानी जयपुर शहर है इसे पिंकसिटी अथवा गुलाबी नगरी भी कहते है। राजस्थान के प्रमुख उद्योगों में धातु, संगमरमर, वस्त्र–छपाई, रत्न व आभुषणों का आयात–निर्यात तथा पर्यटन उद्योग आदि शामिल है। राजस्थान राज्य पर्यटन के मामले में काफी समृद्ध राज्य है। राजस्थान राज्य अपने सांस्कृतिक, ऐतिहासिक विरासत, धार्मिक स्थलों, प्रसिद्ध मंदिरों, प्राचीन दुर्गों, महलों, बावड़ियों, हस्त–शिल्प कला, स्वादिष्ट व्यंजन और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए देश और दुनिया में जाना जाता है। यह जनसंख्या के हिसाब से भारत का सातवॉ सबसे बड़ा राज्य है। राजस्थान भारत के उत्तर–पश्चिम हिस्से में स्थित है। राजस्थान राज्य तीन राष्ट्रीय बाघ अभ्यारणों का घर हैं। सवाईमाधोपुर में रणथंभोर राष्ट्रीय उद्यान, अलवर में सरिस्का टाईगर रिजर्व तथा कोटा में मुकुंदरा हिल्स टाईगर रिजर्व स्थित है। राजस्थान की अर्थव्यवस्था भारत में सातवी सबसे बड़ी राज्य अर्थव्यवस्था हैं। पर्यटन उद्योग भारत का दूसरा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा अर्जित करने वाला उद्योग है। राजस्थान में पर्यटन के विकास हेतु सन् 1956 में पर्यटन विभाग एक स्वतंत्र विभाग बनाया गया। मोहम्मद युनूस समिति की सिफारिशों पर पर्यटन को सन् 1989 में पर्यटन उद्योग का दर्जा दिया गया और दर्जा पाने वाला यह भारत का प्रथम राज्य था। पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान सरकार ने कई योजनाऍ लागू की हैं जैसे कि पूंजी निवेश अनुदान योजना (1993), राजीव गांधी पर्यटन विकास मिशन (2001) और इको–ट्यूरिज्म नीति (2021)। राजस्थान में सन् 2020 में कुल 1,51,17,239 घरेलू पर्यटक और 4,46,467 विदेशी पर्यटक राजस्थान आये थे। सन् 2021 में 2,19,88,734 घरेलू पर्यटक और 34,806 विदेशी पर्यटक आए और सन् 2022 में 10,83,28,156 घरेलूपर्यटक और 39,684 विदेशी पर्यटक आये, साल 2023 में करीब 17.90 करोड़ घरेलूपर्यटक और 16.99 लाख विदेशी पर्यटक आये थे। राजस्थान के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन का लगभग 15 प्रतिशत योगदान है।

शब्दकोशः *पर्यटन, राजस्थान, अर्थव्यवस्था, घरेलू, विदेशी।*

प्रस्तावना

राज्य में पर्यटन विकास के लिये सन् 1956 में पर्यटन विभाग स्थापना की गयी तथा सन् 1965 में राजस्थान राज्य होटल निगम की स्थापना की गई। सन् 1979 में राजस्थान राज्य पर्यटन विकास निगम की

* सहआचार्य (ई.ए.एफ.एम.), राजकीय कन्या महाविद्यालय, टोंक, राजस्थान।
** सेवानिवृत प्रोफेसर, ई.ए.एफ.एम. विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान।

स्थापना की गयी और सन् 1989 में पर्यटन को उद्योगके रूप में इसे मान्यता मिल गई तथा 1993 में पर्यटन विकास के लिए राज्य पूंजी विनियोजन अनुदान योजना लागू की गयी। सन् 1982 में रेलवे के साथ मिलकर शाही रेलगाडी पैलेस ऑन व्हील्स की स्थापना की गई। वर्तमान में राज्य पर्यटन विभागदो भागों–पर्यटन कला एवं संस्कृतिविभाग तथा पर्यटन विकास निगम में बंटा हुआ है।

पर्यटन कलाएवं संस्कृति विभाग का काम पर्यटन स्थलों का विकास करना नये स्थलों को उजागर करना, प्रचार–प्रसार के माध्यम से पर्यटको को अधिक से अधिक संख्या में आकर्षित करना, मेले एवं उत्सवों के माध्यम से लोक कलाओं तथा लोक संगीत को पर्यटकों के सम्मुख प्रस्तुत करना है, जबकि पर्यटक विकास निगम को पर्यटकों को आवास, परिवहन एवं नोकायन आदि की सुविधा उपलब्ध करवाता है।

विश्व व्यापार का लगभग 09प्रतिशत हिस्सा तथा अंर्तराष्ट्रीय सेवा क्षेत्र का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा पर्यटन उद्योग से मिलता है। तीन दर्जन से अधिक देशों में विदेशीमुद्रा कमाने का जरिया केवल पर्यटन उद्योग ही है। पर्यटन उद्योग से अन्तराष्ट्रीय प्राप्तियां वर्ष 2000 में 476 बिलियन अमरीकी डालर थी जो वर्ष 2005 में बढ़कर 680, वर्ष 2010 में बढ़ार 930, वर्ष 2011 में बढ़कर 1042 तथा वर्ष 2012 में बढकर 1075 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गई और यह ग्राफ निरन्तर आगे बढ रहा है। पर्यटन विश्व का दूसरा सबसे बड़ा उद्योग है। पर्यटन से भारत का इस आय में मात्र 2ः ही हिस्सा है। भारत के तीन प्रमुख पर्यटन राज्य राजस्थान, गोवा एवं कश्मीर है। राजस्थान में पर्यटन के लिये ऐतिहासिक स्थल, तीर्थ स्थल, पुरातात्विक स्थल, विश्व प्रसिद्ध युद्व के मैदान, दुर्ग, मन्दिर, प्राचीन हवेलियाँ, उद्यान, पर्वतीय स्थल, रेतीले धोरे, पशु–पक्षी अभयारण, झीले, सरोवर, ऐतिहासिक नगरियां एवं अन्य स्थल इत्यादि मौजूद है। राजस्थान के मेले, तीज त्यौहार, स्थापत्य कला, शिल्प कला, लोक कलाऐं तथा हस्त कलाऐं इत्यादि भी पर्यटको को आकर्षिक करती है।

विश्व पर्यटन में भारतीयों की भागीदारी 3.8% है जबकि विश्व पर्यटको मे से मात्र 0.38% प्रतिवर्ष भारत आते है। अतः भारत के लिये विश्व पर्यटन के क्षेत्र में भारत की भागीदारी बढाने के लिये पर्याप्त संभावनाऐ मौजूद है। यदि भारत से 3.8%, पर्यटक विश्व के अन्य देशों में जायेऔर उतने ही विश्व पर्यटक भारत आये तो भारत की जीडीपी में जबरदस्त वृद्धि हो सकती है। भारत में आने वाले विश्व पर्यटको में से लगभग 20% से 21% पर्यटक प्रतिवर्ष राजस्थान आते है। पर्यटन उद्योग से राजस्थान में लगभाग 2.74 लाख लोगो को रोजगार प्राप्त होता है। यदि भारत में आने वाले पर्यटकों की संख्या बढती है तो उसका जर्बदस्त लाभ राजस्थान को भी मिलेगा।

राजस्थान में पर्यटन के प्रकार निम्नलिखित चित्र में दिये गये है –

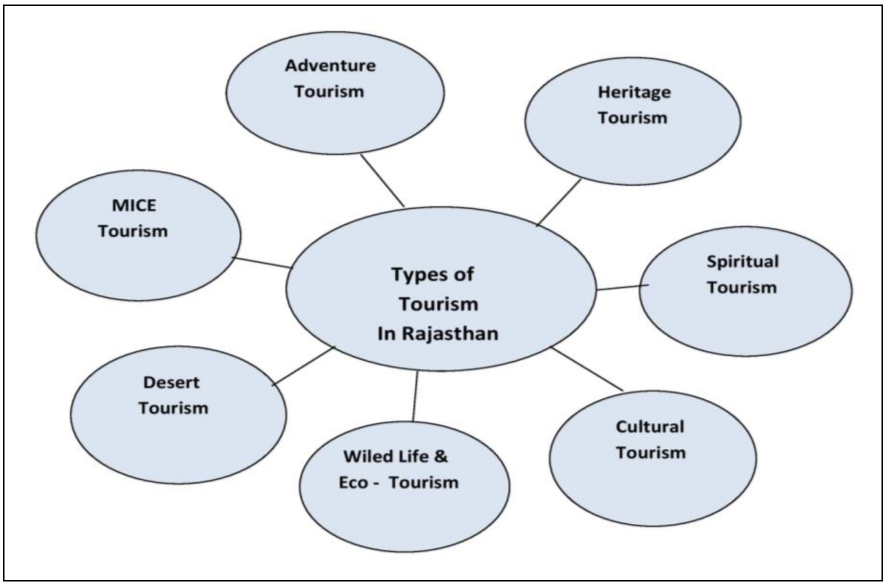

Rajasthan Travel map

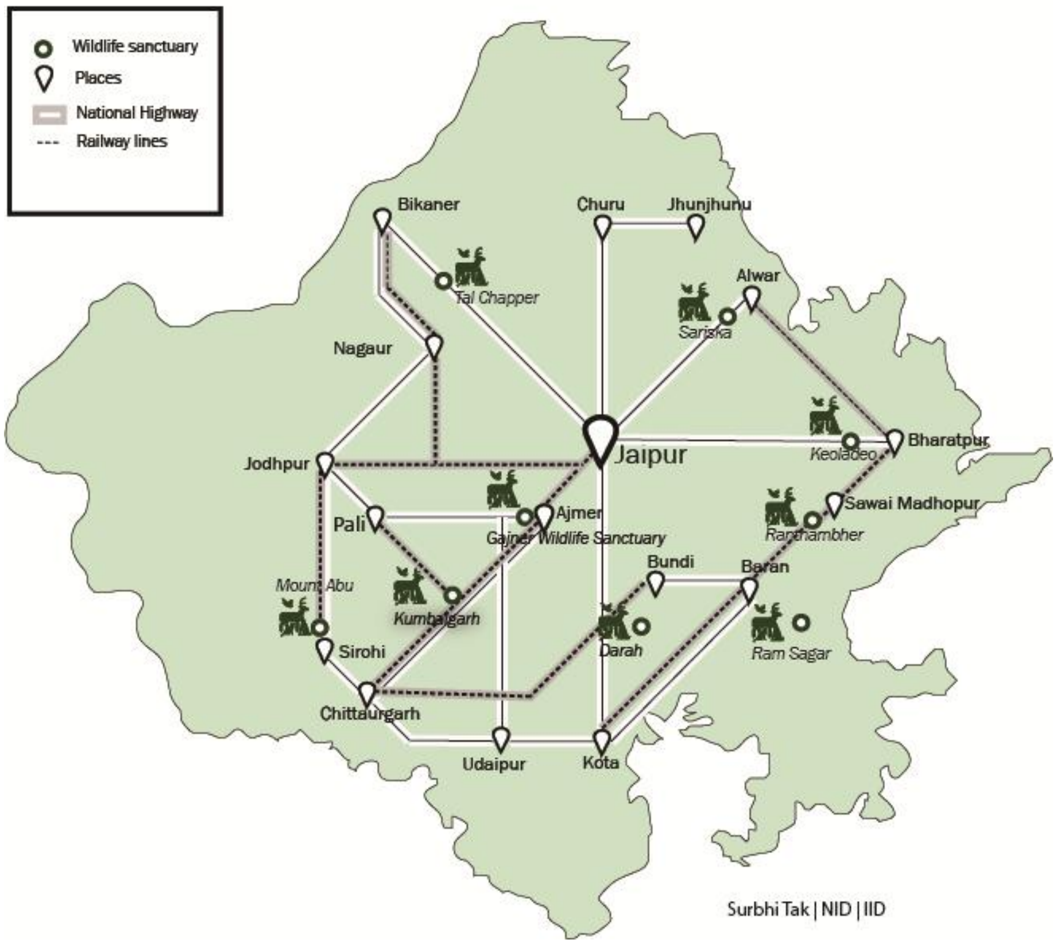

अध्ययन का उद्देश्य

- वर्तमान में पर्यटन उद्योग के आर्थिक महत्व को समझना।
- राजस्थान राज्य के विकास में पर्यटन उद्योग की भूमिका ज्ञात करना।
- राजस्थान राज्य में पर्यटन आगमन का प्रभावी अध्ययन करना।
- राजस्थान में पर्यटन से संबंधित समस्याओं व उनके दुष्प्रभाव का आंकलन करना।
- राजस्थान में पर्यटन उद्योग के विकास से संबंधित सम्भावनाएँ ज्ञात करना।

राजस्थान को पर्यटन उद्योग से लाभ

राज्य में देशी–विदेशी पर्यटको के आने से राज्य की हस्त शिल्प कला, सांस्कृतिक गतिविधियां, होटल व्यवसाय, मुद्रण व्यवसाय, फोटोग्राफी व्यवसाय, यातायात एवं परिवहन व्यवसाय इत्यादि को बढावा मिलता है, जिससे विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है तथा राज्य के प्रति व्यक्ति आय में वृद्दि होती है। पर्यटकों के आवागमन से यहां के लोगो को देश–विदेश के लोगो के सम्पर्क में आने का अवसर मिलता है तथा राजस्थान की संस्कृति को पहचान मिलती है।

राजस्थान को पर्यटन उद्योग से हानियाँ

राज्य में वेश्यावृति, एड्स बिमारी तथा अपसंस्कृति का प्रसार हुआ है। पर्यटन व्यवसाय में अपराधी लोगो के घुस जाने से पर्यटको के साथ धोखा–धडी तथा लूटपाट की घटनाये हुई है। विदेशी पर्यटको पर जान लेवा हमले तथा विदेशी महिलाओ के साथ बलात्कार प्रकरणों से राजस्थान राज्य व देश की छवि को अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर ठेस पहुंची है। पुष्कर तथा जैसलमेर इत्यादि स्थानों पर विदेशी लोगो के अड्डे बन गये है, जिससे स्थानीय लोगो में मादक द्रव्यों, ड्रग्स, तथा अन्य व्यभिचारों को बढ़ावा मिला है।

राजस्थान पर्यटन कोनिम्न तालिका व आरेख (डायग्राम) की मदद से समझने का प्रयास करेंगे।

विभाग का बजट

वर्ष 2018–19 से वर्ष 2023–24 तक विभागीय योजनाओं हेतु बजट प्रावधान एवं व्यय की वित्तीय प्रगति निम्नानुसार है :–

आयोजना

विभाग की योजनाओं के बजट मदों के अन्तर्गत वर्ष 2018–19 से 2023–2024 तक बजट प्रावधान एवं व्यय निम्नानुसार है :–

(राशि ₹ लाख में)

वर्ष	मूल प्रावधान	संशोधित प्रावधान	वास्तविक व्यय
1	*2*	*3*	*4*
2018–19	17925.67	12712.53	10543.44
2019–20	11445.08	6586.39	4740.78
2020–21	12076.44	8078.04	4845.38
2021–22	45644.46	19779.11	15395.26
2022–23	24613.09	30606.26	27255.91
2023–24*	44783.99	–	25952.61

* जनवरी, 2024 तक

आयोजना भिन्न

विभाग की योजनाओं के अतिरिक्त बजट मदों के अन्तर्गत वर्ष 2018–19 से 2023–2024 तक बजट प्रावधान एवं व्यय निम्नानुसार है :–

(राशि ₹ लाख में)

वर्ष	**मूल प्रावधान**	**संशोधित प्रावधान**	**वास्तविक व्यय**
1	***2***	***3***	***4***
2018–19	1481.66	1441.66	1286.78
2019–20	1559.92	1422.07	1297.31
2020–21	1551.15	1321.20	1262.50
2021–22	1487.01	1373.32	1305.31
2022–23	1514.79	1567.63	1558.12
2023–24*	1648.13	–	1387.44

* जनवरी, 2024 तक

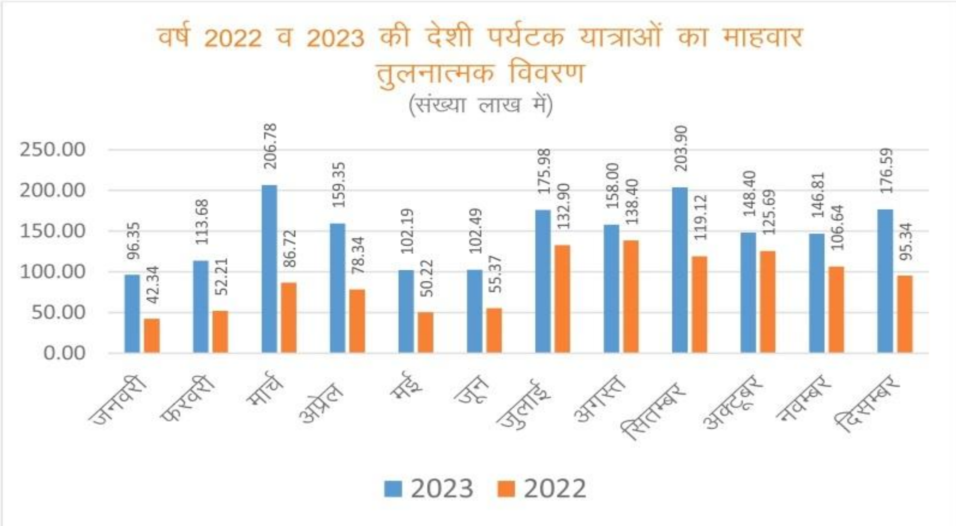
वर्ष 2022 व 2023 की देशी पर्यटक यात्राओं का माहवार तुलनात्मक विवरण
(संख्या लाख में)
250.00
200.00
150.00
100.00
50.00
0.00
जनवरी 96.35 42.34
फरवरी 113.68 52.21
मार्च 206.78 86.72
अप्रेल 159.35 78.34
मई 102.19 50.22
जून 102.49 55.37
जुलाई 175.98 132.90
अगस्त 158.00 138.40
सितम्बर 203.90 119.12
अक्टूबर 148.40 125.69
नवम्बर 146.81 106.64
दिसम्बर 176.59 95.34
2023
2022

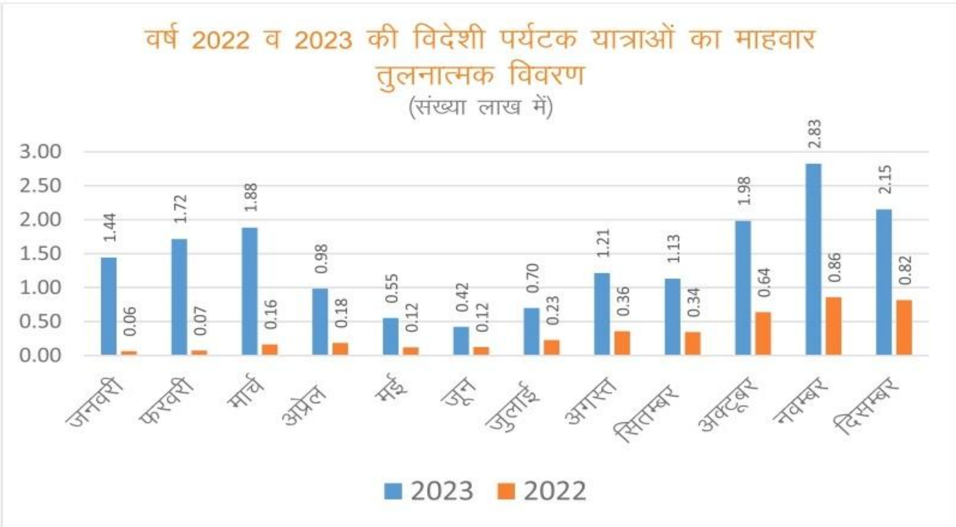
वर्ष 2022 व 2023 की विदेशी पर्यटक यात्राओं का माहवार तुलनात्मक विवरण
(संख्या लाख में)
3.00
2.50
2.00
1.50
1.00
0.50
0.00
जनवरी 1.44 0.06
फरवरी 1.72 0.07
मार्च 1.88 0.16
अप्रेल 0.98 0.18
मई 0.55 0.12
जून 0.42 0.12
जुलाई 0.70 0.23
अगस्त 1.21 0.36
सितम्बर 1.13 0.34
अक्टूबर 1.98 0.64
नवम्बर 2.83 0.86
दिसम्बर 2.15 0.82
2023
2022

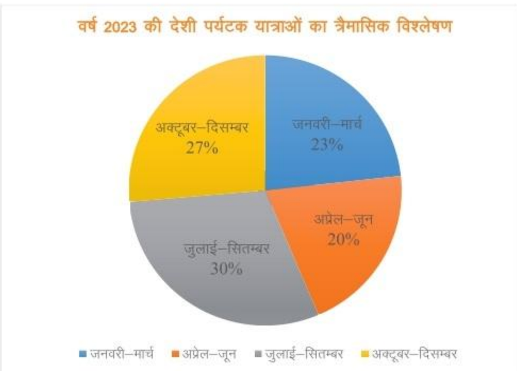
वर्ष 2023 की देशी पर्यटक यात्राओं का त्रैमासिक विश्लेषण
जनवरी–मार्च 23%
अप्रेल–जून 20%
जुलाई–सितम्बर 30%
अक्टूबर–दिसम्बर 27%
जनवरी–मार्च
अप्रेल–जून
जुलाई–सितम्बर
अक्टूबर–दिसम्बर

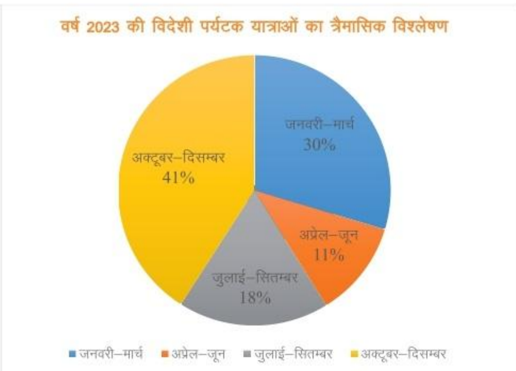
वर्ष 2023 की विदेशी पर्यटक यात्राओं का त्रैमासिक विश्लेषण
जनवरी–मार्च 30%
अप्रेल–जून 11%
जुलाई–सितम्बर 18%
अक्टूबर–दिसम्बर 41%
जनवरी–मार्च
अप्रेल–जून
जुलाई–सितम्बर
अक्टूबर–दिसम्बर

वर्ष 2022 व 2023 के दौरान राज्य में घरेलू और विदेशी पर्यटकों द्वारा की गई पर्यटक यात्राओं का जिलेवार तुलनात्मक विवरण

क्र.सं.	जिला	2023		2022	
		देशी	विदेशी	देशी	विदेशी
1	अजमेर	1,56,41,130	1,05,780	1,32,99,972	40,092
2	अलवर	73,59,402	15,189	51,33,712	8,112
3	बांसवाड़ा	19.23,995	69	13,03,985	90
4	बारां	22,070	13	18,325	24
5	बाड़मेर	35,99,004	78	15,15,112	38
6	भरतपुर	1,05,51,312	11,933	75,68,617	2,749
7	भीलवाड़ा	6,51,080	795	6,26,681	367
8	बीकानेर	43,73,837	37,414	39,28,456	10,501
9	बूंदी	6,19,783	7,406	4,07,351	2,379
10	चित्तोड़गढ़	1,42,80,751	3,469	63,93,112	711
11	चूरू	42,22,496	463	35,78,318	185
12	दौसा	29,38,581	78,985	31,32,269	6,012
13	धौलपुर	82,155	1,207	85,265	198
14	डूंगरपुर	40,61,510	231	31,22,385	119
15	हनुमानगढ़	28,38,435	34	35,50,246	42
16	जयपुर	2,01,22,184	8,72,887	33,72,924	1,59,210
17	जैसलमेर	86,07,976	48,094	63,48,747	29,131
18	जालौर	6,17,319	228	5,73,622	306
19	झालावाड़	2,03,952	17	2,00,985	21
20	झुन्झुनू	19,28,926	24,437	12,04,616	4,239
21	जोधपुर	26,83,889	1,32,259	20,26,374	34,964
22	करौली	75,93,697	1,692	42,00,688	728
23	कोटा	9,42,403	743	8,04,971	659
24	नागौर	6,57,665	1,919	6,90,269	605
25	पाली	18,23,380	66,275	10,00,083	19,243
26	प्रतापगढ़	5,44,482	0	4,44,969	28
27	राजसमन्द	22,31,673	13,927	12,91,259	3,533
28	सवाई माधोपुर	1,35,57,802	50,296	1,11,09,170	15,878
29	सीकर	2,63,36,316	736	1,16,25,503	258
30	सिरोही	1,02,84,901	7,657	33,35,328	1,079
31	श्रीगंगानगर	10,01,040	158	10,13,989	167
32	टोंक	20,09,265	1,654	39,28,633	617
33	उदयपुर	47,39,514	2,13,824	14,92,220	54,399
कुल		**17,90,51,925**	**16,99,869**	**10,83,28,156**	**3,96,684**

वर्ष 1971 से 2023 तक राज्य में देशी और विदेशी पर्यटकों द्वारा की गई पर्यटक यात्राएं

क्र.सं.	वर्ष	पर्यटक यात्राएं			गत वर्ष की तुलना में परिवर्तन % में		
1	2	3	4	5	6	7	8
		स्वदेशी	विदेशी	योग	स्वदेशी	विदेशी	योग
1.	1971	8,80,694	42,500	9,23,194	—	—	—
2.	1972	9,02,769	48,350	9,51,119	2.51	13.76	3.02
3.	1973	11,57,959	54,611	12,12,570	28.27	12.95	27.49
4.	1974	9,98,227	55,781	10,54,008	-13.79	2.14	-13.08
5.	1975	11,17,663	66,207	11,83,870	11.96	18.69	12.32
6.	1976	13,03,633	92,272	13,95,905	16.64	39.37	17.91
7.	1977	16,18,822	1,25,112	17,43,934	24.18	35.59	24.93
8.	1978	20,42,586	1,60,134	22,02,720	26.18	27.99	26.31
9.	1979	23,06,550	1,95,837	25,02,387	12.92	22.30	13.60
10.	1980	24,50,282	2,08,216	26,58,498	6.23	6.32	6.24
11.	1981	26,00,407	2,20,440	28,20,847	6.13	5.87	6.11
12.	1982	27,80,109	2,37,444	30,17,553	6.91	7.71	6.97
13.	1983	29,32,622	2,66,221	31,98,843	5.49	12.12	6.01
14.	1984	30,40,197	2,59,637	32,99,834	3.67	-2.47	3.16
15.	1985	31,20,944	2,68,774	33,89,718	2.66	3.52	2.72
16.	1986	32,14,113	2,91,763	35,05,876	2.99	8.55	3.43
17.	1987	34,24,324	3,48,260	37,72,584	6.54	19.36	7.61
18.	1988	34,95,158	3,66,435	38,61,593	2.07	5.22	2.36
19.	1989	38,33,008	4,19,651	42,52,659	9.67	14.52	10.13
20.	1990	37,35,174	4,17,641	41,52,815	-2.55	-0.48	-2.35
21.	1991	43,00,857	4,94,150	47,95,007	15.14	18.32	15.46
22.	1992	52,63,121	5,47,802	58,10,923	22.37	10.86	21.19
23.	1993	54,54,321	5,40,738	59,95,059	3.63	-1.29	3.17
24.	1994	46,99,886	4,36,801	51,36,687	-13.83	-19.22	-14.32
25.	1995	52,48,862	5,34,749	57,83,611	11.68	22.42	12.59
26.	1996	57,26,441	5,60,946	62,87,387	9.10	4.90	8.71
27.	1997	62,90,115	6,05,060	68,95,175	9.84	7.86	9.67
28.	1998	64,03,310	5,91,369	69,94,679	1.80	-2.26	1.44
29.	1999	66,75,528	5,62,685	72,38,213	4.25	-4.85	3.48
30.	2000	73,74,391	6,23,100	79,97,491	10.47	10.74	10.48
31.	2001	77,57,217	6,08,283	83,65,500	5.19	-2.38	4.60
32.	2002	83,00,190	4,28,437	87,28,627	6.99	-29.57	4.34
33.	2003	1,25,45,135	6,28,560	1,31,73,695	51.14	46.71	50.92
34.	2004	1,60,33,896	9,71,772	1,70,05,668	27.81	54.60	29.09
35.	2005	1,87,87,298	11,31,164	1,99,18,462	17.17	16.40	17.13
36.	2006	2,34,83,287	12,20,164	2,47,03,451	25.00	7.87	24.02
37.	2007	2,59,20,529	14,01,042	2,73,21,571	10.38	14.82	10.60
38.	2008	2,83,58,918	14,77,646	2,98,36,564	9.41	5.47	9.21

क्र.सं.	वर्ष	पर्यटक यात्राएं			गत वर्ष की तुलना में परिवर्तन % में		
1	2	3	4	5	6	7	8
		स्वदेशी	विदेशी	योग	स्वदेशी	विदेशी	योग
39.	2009	2,55,58,691	10,73,414	2,66,32,105	-9.87	-27.36	-10.74
40.	2010	2,55,43,877	12,78,523	2,68,22,400	-0.06	19.11	0.71
41.	2011	2,71,37,323	13,51,974	2,84,89,297	6.24	5.74	6.21
42.	2012	2,86,11,831	14,51,370	3,00,63,201	5.43	7.35	5.52
43.	2013	3,02,98,150	14,37,162	3,17,35,312	5.89	-0.98	5.56
44.	2014	3,30,76,491	15,25,574	3,46,02,065	9.17	6.15	9.03
45.	2015	3,51,87,573	14,75,311	3,66,62,884	6.38	-3.29	5.96
46.	2016	4,14,95,115	15,13,729	4,30,08,844	17.93	2.60	17.31
47.	2017	4,59,16,573	16,09,963	4,75,26,536	10.66	6.36	10.50
48.	2018	5,02,35,643	17,54,348	5,19,89,991	9.41	8.97	9.39
49.	2019	5,22,20,431	16,05,560	5,38,25,991	3.95	-8.48	3.53
50.	2020	1,51,17,239	4,46,457	1,55,63,696	-71.05	-72.19	-71.09
51.	2021	2,19,88,734	34,806	2,20,23,540	45.45	-92.20	41.51
52.	2022	10,83,28,156	3,96,684	10,87,24,840	392.65	1039.70	393.68
53.	2023	17,90,51,925	16,99,869	18,07,51,794	65.29	328.52	66.25

राजस्थान का पर्यटन वाक्य 'पधारो म्हारे देश' है राजस्थान की पर्यटन थीम द इनक्रेडिबल स्टेट ऑफ इंडिया – भारत का अतुल्य राज्य (The Incredible State of India) है।

राजस्थान का पर्यटन लोगो को नीचे चित्र में दिखाया गया है –

पधारो म्हारे देश

RAJASTHAN TOURISM

RAJASTHAN

The Incredible State of India

राजस्थान में विदेशी पर्यटकों द्वारा की गयी पर्यटक यात्राएं एवं भारत में विदेशी पर्यटकों का आगमन

वर्ष	भारत में आये विदेशी पर्यटक	प्रतिशत परिवर्तन	राजस्थान में आये विदेशी पर्यटकों द्वारा की गई पर्यटक यात्राएं	प्रतिशत परिवर्तन
1	*2*	*3*	*4*	*5*
1990	17,07,158		4,17,641	
1991	16,77,508	-1.74	4,94,150	18.32
1992	18,67,651	11.33	5,47,802	10.86
1993	17,64,830	-5.51	5,40,738	-1.29
1994	18,86,433	6.89	4,36,801	-19.22
1995	21,23,683	12.58	5,34,749	22.42
1996	22,87,860	7.73	5,60,946	4.90
1997	23,74,094	3.77	6,05,060	7.86
1998	23,58,629	-0.65	5,91,369	-2.26
1999	24,81,928	5.23	5,62.685	-4.85
2000	26,49,378	6.75	6,23,100	10.74
2001	25,37,282	-4.23	6,08,283	-2.38
2002	23,84,364	-6.03	4,28,437	-29.57
2003	27,26,214	14.34	6,28,560	46.71
2004	34,57,477	26.82	9,71,772	54.60
2005	39,18,610	13.34	11,31,164	16.40
2006	44,47,167	13.49	12,20,164	7.87
2007	50,81,504	14.26	14,01,042	14.82
2008	52,82,603	3.96	14,77,646	5.47
2009	51,67,699	-2.18	10,73,414	-27.36
2010	57,75,692	11.77	12,78,523	19.11
2011	63,09,222	9.24	13,51,974	5.74
2012	65,77,745	4.26	14,51,370	7.35
2013	69,67,601	5.93	14,37,162	-0.98
2014	76,79,099	10.21	15,25,574	6.15
2015	80,27,133	4.53	14,75,311	-3.29
2016	88,04,411	9.68	15,13,729	2.60
2017	1,00,35,803	13.99	16,09,963	6.36
2018	1,05,57,976	5.20	17,54,348	8.97
2019	1,09,30,355	3.53	16,05,560	-8.48
2020	27,44,766	-74.89	4,46,457	-72.19
2021	15,27,114	-44.36	34,806	-92.20
2022	61,91,399	305.43	3,96,684	1039.70
2023*	81,66,305	31.90	16,99,869	328.52

* स्रोतः– माहवार पर्यटन आंकडे 2023 पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार (माह नवम्बर, 2023 तक अनंतिम)

स्रोतः– भारत पर्यटन आंकडे (पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार)

राजस्थान में विदेशी पर्यटकों द्वारा की गई पर्यटक यात्राएं एवं भारत में विदेशी पर्यटकों का आगमन

माह	भारत में विदेशी पर्यटकों का आगमन		राजस्थान में विदेशी पर्यटकों द्वारा की गयी पर्यटक यात्राएं	
	2023*	2022#	2023	2022
जनवरी	8,68,160	2,01,546	1,44,334	6,202
फरवरी	8,65,779	2,40,896	1,71,509	7,101
मार्च	7,95,827	3,42,308	1,88,426	16,463
अप्रेल	6,03,985	3,92,930	98,448	18,451
मई	5,98,480	4,23,701	55,058	12,161
जून	6,48,008	5,22,737	42,110	12,288
जुलाई	7,60,623	6,40,858	69,902	22,594
अगस्त	6,43,194	4,98,243	1,21,179	35,914
सितम्बर	6,48,213	5,36,340	1,13,116	34,425
अक्टूबर	8,11,411	6,56,895	1,98,161	63,688
नवम्बर	9,22,265	7,68,675	2,82,510	85,662
दिसम्बर	-	9,66,270	2,15,116	81,735
कुल	**81,66,305**	**61,91,399**	**16,99,869**	**3,96,684**

* स्रोतः— माहवार पर्यटन आंकडे 2023 पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार (अनंतिम)
# स्रोतः— भारत, पर्यटन आंकडे एक झलक 2023 (पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार)

क्रियाविधि (Methodology)

इस शोध का अध्ययन वर्णनात्मक प्रकृति का है एवं द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित है। डेटा प्रामाणिक और विश्वसनीय स्रोत, लेख, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पत्र–पत्रिकाओं तथा मुख्य रूप से पर्यटन विभाग, राजस्थान से लिये गये हैं।

राजस्थान में पर्यटक के प्रमुख परिपथ

जयपुर परिपथ – जयपुर, टोंक, सवाईमाधोपुर – रणथम्भौर, अजमेर सर्वाधिक पर्यटक इसी परिपथ के दर्शनीयस्थलों को देखने के लिये आते हैं। इसका प्रमुख कारण जयपुर का भारत के प्रमुख परिपथ स्वर्ण त्रिकोण पर स्थित होना है।

मरू परिपथ –जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, बाड़मेर एवं नागौर है। जयपुर परिपथ के बाद विदेशी पर्यटकों की संख्या इस परिपथ के पर्यटक स्थलों को देखने आते है। इसी परिपथ पर राज्य का मरू त्रिकोण जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर स्थित है।

- शेखावाटी परिपथ–चुरु, झुंझुनू, सीकर।
- अलवर परिपथ – अलवर, डीग, भरतपुर, धौलपुर।
- माउंट आबू परिपथ –पाली, सिरोही, माउंट आबू, जालौर।
- मेवाड़ परिपथ– उदयपुर, चित्तौड़गढ़, रणकपुर, नाथद्वारा, कुम्भलगढ़।
- हाड़ौती परिपथ–कोटा, बूंदी, बांरा, झालावाड़।

स्वर्ण त्रिकोण

केन्द्र सरकार के पर्यटनमंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली, आगरा,जयपुर विश्व के पर्यटन मानचित्र पर गोल्डन ट्राईंगिल (स्वर्ण त्रिकोण) के रूप में उभरा है तथा भारत आने वाले अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों में से 80ः इन तीन स्थलों पर भ्रमण करने आते है। राजस्थान राज्य में आने वाला विदेशी पर्यटक औसत ढ़ाई दिन ठहरता है।

निष्कर्ष

राजस्थान को पर्यटन के क्षेत्र में न केवल देश में अपितु विश्व पर्यटन मानचित्र पर प्रमुखता से जाना जाता है। राजस्थान को सदियों से अपनी गौरवगाथा, ऐतिहासिक स्थलों, किलों, महलों एवं हवेलियों, ऐतिहासिक एवं कलात्मक बावड़ियों, झीलों, कला एवं संस्कृति, मेलों एवं उत्सवों, शास्त्रीय एवं लोक संगीतों व नृत्यों, हस्तकलाओं, तीर्थस्थलों, प्राकृतिक सौन्दर्य, पशु–पक्षी अभ्यारण्य, पर्वतों एवं मरुस्थलीय धोरों के कारण देश–विदेश में सराहा जाता है। यही कारण है कि राजस्थान आये बिना पर्यटकों की भारत पर्यटन यात्रा अधूरी लगती है।

पर्यटन विश्व में सबसे बड़े उद्योग के रूप में उभरा है, जिसकी वृद्धि दर भी सर्वाधिक है। अन्य आर्थिक सेक्टरों की तुलना में पर्यटन में निवेश से सर्वाधिक प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रोजगार सृजित होता है। साथ ही इससे बहुमूल्य विदेशी मुद्रा का अर्जन भी होता है। राजस्थान राज्य के आर्थिक विकास में पर्यटन के महत्व को देखते हुये राज्य सरकार ने पर्यटन विकास एवं पर्यटन को जन उद्योग बनाने की दिशा में अनेक कारगर कदम उठाये हैं। राजस्थान में पर्यटन को व्यावसायिक स्वरूप दिया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा हाल के वर्षो में पर्यटन क्षेत्र के लिये अनेक सुविधाएं एवं रियायतें प्रदान की हैं। पर्यटन क्षेत्र को और अधिक विकसित करने के लिये सरकारी एवं गैर सरकारी दोनों क्षेत्रों द्वारा रचनात्मक प्रयास किये जा रहे हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. राजस्थान सुजस, सूचना, एवं जनसम्पर्क विभाग, जयपुर (मार्च 2020 से अक्टुम्बर 2024)
2. .http://www.incredibleindia.org
3. http://iitf.gov.in
4. http://www-indiathelandofbudddha-in
5. http://nidhi.nic.in
6. http://utsav.gov.in
7. http://tourism.gov.in
8. http://www.e.unwto.org
9. http://utsav.gov.in
10. http://www.tourism. Rajasthan.gov.in
11. .http://en.wikipedia.org
12. राजेश कुमार व्यास, पर्यटन उद्भव एवं विकास
13. डॉ0 मोहन लाल गुप्ता, सुभद्रा प्रकाशन, जोधपुर
14. मार्च 2020 से अक्टुम्बर 2024 तक विभिन्न समाचार पत्रों जैसे इकॉनोमिक्स टाईम्स, टाईम्स ऑफ इण्डिया, फाइनेंशियल एक्सप्रेस, राजस्थान पत्रिका, दैनिक भास्कर, प्रभा साक्षी, अमर उजाला, इत्यादि में प्रकाशित पर्यटन से सम्बन्धित विशेष लेख, टिप्पणीयों एवं सम्पादकीय से एकत्रित की गई सामग्री।
15. मार्च 2020 से अक्टुम्बर 2024 तक प्रसारित विभिन्न न्यूज चौनलों जैसे एनडीटीवी, बीबीसी, आज तक में प्रसारित न्यूज ।
16. प्रगति प्रतिवेदन 2020 से लेकर 2024 पर्यटन विभाग, राजस्थान
17. भारत पर्यटन आकड़े 2023, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार।

❖◆❖